BANC 110: अनुसंधान विधियां

अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य

(TMA)

कोर्स कोड: बीएएनसी 110

असाइनमेंट कोड: BANC 110/ASST/TMA/ जुलाई 2026 और जनवरी 2027

कुल अंक: 100

सत्रीय कार्य में तीन अनुभाग हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का लगभग 500 शब्दों में उत्तर दीजिए। **20X 2=40**

क. वैज्ञानिक पद्धति की चर्चा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि विज्ञान सामान्य ज्ञान से किस प्रकार भिन्न है।

ख. मानवविज्ञानीय अनुसंधान में सूचित सहमति एवं गोपनीयता की प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। (लघु टिप्पणियाँ लिखें) **10x2=20**

क. आर्मचेयर मानवविज्ञान तथा उसकी आलोचना

ख. मानवविज्ञानीय अनुसंधान में सांख्यिकी का उपयोग

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिए। **2x5=10**

क. वैज्ञानिक अनुसंधान में नियम

ख. एमिक एवं एटिक उपागम

ग. सामंजस्य (Rapport) स्थापित करना

घ. अनुसंधान में छल

ङ. अनुसंधान प्रतिवेदनों में दृश्य प्रस्तुतीकरण

सत्रीय कार्य – III

क. अनुसंधान अभिकल्प (Research Design) के चरणों का वर्णन कीजिए। **20**

ख. उत्तरदाताओं के सामाजिक एवं सांस्कृतिक अनुभवों के अध्ययन हेतु साक्षात्कार निर्देशिका के लिए पाँच प्रश्न तैयार कीजिए। **5**

ग. मात्रात्मक आँकड़ों के विश्लेषण करते समय ध्यान रखने योग्य पाँच बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। 5

क. वैज्ञानिक पद्धति की चर्चा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि विज्ञान सामान्य ज्ञान से किस प्रकार भिन्न है।

उत्तर

वैज्ञानिक पद्धति ज्ञान प्राप्त करने की ऐसी व्यवस्थित प्रक्रिया है जिसमें किसी समस्या को स्पष्ट रूप से पहचानकर उसके बारे में प्रमाण जुटाए जाते हैं, प्रमाणों का विश्लेषण किया जाता है और निष्कर्षों की जाँच की जाती है। मानवविज्ञान में यह पद्धति मनुष्य के जैविक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को समझने में सहायता करती है। उदाहरण के लिए, किसी गाँव में पोषण की कमी अधिक होने का कारण जानने के लिए केवल लोगों की राय पर्याप्त नहीं होती। परिवारों का भोजन, आय, स्वास्थ्य और स्थानीय परिस्थितियों का अध्ययन भी करना पड़ता है।

वैज्ञानिक पद्धति की प्रमुख विशेषताएँ

व्यवस्थित और उद्देश्यपूर्ण अध्ययन: वैज्ञानिक कार्य एक निश्चित प्रश्न से शुरू होता है। शोधकर्ता पहले यह तय करता है कि उसे क्या जानना है और उससे जुड़े तथ्य कहाँ से मिलेंगे। समस्या स्पष्ट होने से समय, संसाधन और विधियों का सही उपयोग संभव होता है। किसी समुदाय के विवाह संबंधी नियमों के अध्ययन में शोधकर्ता आयु, रिश्तेदारी, रीति-रिवाज और सामाजिक परिवर्तन जैसे पहलुओं को पहले से निर्धारित कर सकता है।

अवलोकन और अनुभवजन्य प्रमाण: वैज्ञानिक निष्कर्ष केवल विश्वास या अनुमान से नहीं बनते। प्रत्यक्ष अवलोकन, साक्षात्कार, मापन, दस्तावेज और उपलब्ध आँकड़े उनके आधार होते हैं। मानवविज्ञान में सहभागी अवलोकन से यह समझा जाता है कि लोग वास्तव में क्या करते हैं, जबकि साक्षात्कार से उनकी मान्यताएँ और व्याख्याएँ सामने आती हैं। दोनों स्रोतों का मिलान निष्कर्षों को अधिक विश्वसनीय बनाता है।

परिकल्पना और परीक्षण: कई अध्ययनों में संभावित उत्तर को परिकल्पना के रूप में रखा जाता है। जैसे, 'विद्यालय से दूरी बढ़ने पर बच्चों की नियमित उपस्थिति घटती है।' इस विचार को अलग-